

# VIDYASAGAR UNIVERSITY



**Curriculum for 3-year B.A (General)**

**Hindi**

**Revised Syllabus under CBCS  
(w. e. f. 2022-2023)**

**Vidyasagar University  
Midnapore 721102  
West Bengal**

**VIDYASAGAR UNIVERSITY**  
**B.A (General) in Hindi**  
*Under Choice Based Credit System (CBCS)*

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks		
	<b>SEMESTER – I</b>							
<b>1<sup>ST</sup> YEAR</b>	<b>1<sup>st</sup> Semester</b>	Core -1 (DSC – 1A)	DSC – 1AT : हिन्दी साहित्य का इतिहास	6	5-1-0	15	60	75
		Core -2 (DSC – 2A)	Other Discipline (Dicipline – 2 ) / TBD	6		15	60	75
		AECC – 1 (Core)	English – 1	6	5-1-0	15	60	75
		AECC – 1 (Elective)	English Communication / MIL	2	1-1-0	10	40	50
		<b>SEMESTER – I : TOTAL</b>			<b>20</b>			
	<b>SEMESTER – II</b>							
	<b>2<sup>nd</sup> Semester</b>	Core -3 (DSC – 1B)	DSC – 1BT: मध्यकालीन हिन्दी कविता	6	5-1-0	15	60	75
		Core -4 (DSC – 2B)	Other Discipline (Dicipline – 2 ) / TBD	6		15	60	75
		AECC – 2 (Core)	MIL-1: हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण	6	5-1-0	15	60	75
		AECC – 2 (Elective)	Environmental Studies (ENVS)	4		20	80	100
<b>SEMESTER – II : TOTAL</b>			<b>22</b>				<b>325</b>	

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks		
		<b>SEMESTER – III</b>						
<b>2nd YEAR</b>	<b>3<sup>rd</sup> Semester</b>	Core - 5 (DSC – 1C)	DSC – 1CT: आधुनिक हिन्दी कविता	6	5-1-0	15	60	75
		Core - 6 (DSC – 2C)	Other Discipline (Dicipline – 2 ) / TBD	6		15	60	75
		AECC – 3 (Core)	English – II	6	5-1-0	15	60	75
		SEC – 1	SEC 1T: भाषा शिक्षण	2	1-1-0	10	40	50
		<b>SEMESTER – III : TOTAL</b>			<b>20</b>			
	<b>SEMESTER – IV</b>							
	<b>4<sup>th</sup> Semester</b>	Core -7 (DSC – 1D)	DSC – 1DT: हिन्दी गद्य साहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		Core -8 (DSC – 2D)	Other Discipline (Dicipline – 2 ) / TBD	6		15	60	75
		AECC – 4 (Core)	MIL-2: हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	6	5-1-0	15	60	75
		SEC – 2	SEC 2T: अनुवाद विज्ञान	2	1-1-0	10	40	50
<b>SEMESTER – IV : TOTAL</b>			<b>20</b>				<b>275</b>	

Year	Semester	Course Type	Course title	Credit	L-T-P	Marks			
<b>SEMESTER – V</b>									
<b>3rd YEAR</b>	<b>5<sup>th</sup> Semester</b>	DSE - 1A	DSE - 1AT: कबीर OR हिन्दी निबंध	6	5-1-0	15	60	75	
		DSE – 2A	Other Discipline (Dicipline – 2 ) / TBD	6		15	60	75	
		GE - 1	TBD ( from other discipline except Discipline – 1, 2 & AECC – Core )	6	5-1-0	15	60	75	
		SEC- 3	SEC 3T: भाषा कम्प्यूटिंग	2	1-1-0	10	40	50	
		<b>SEMESTER –V : TOTAL</b>			<b>20</b>				<b>275</b>
	<b>SEMESTER – VI</b>								
	<b>6<sup>th</sup> Semester</b>	DSE -1B	DSE -1BT: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला OR प्रयोजनपरक हिन्दी	6	5-1-0	15	60	75	
		DSE – 2B	Other Discipline (Dicipline – 2 ) / TBD	6		15	60	75	
		GE - 2	TBD ( from other discipline except Discipline – 1, 2 & AECC – Core)	6	5-1-0	15	60	75	
		SEC- 4	SEC- 4: चलाचित्र लेखन	2	1-1-0	10	40	50	
<b>SEMESTER – VI : TOTAL</b>			<b>20</b>				<b>275</b>		
<b>Total in all Semester</b>				<b>122</b>				<b>1700</b>	

**CC** - Core Course, **GE** - Generic Elective, **DSE** - Discipline Specific Elective, **SEC** - Skill Enhancement Course, **AECC** - Ability Enhancement Compulsory Course, **CA** – Continous Assessment, **ESE** – End Semester Examination, **TBD** – To be decide, **CT** – Core Theory, **CP**- Core Pratical, **L** - Lecture, **T** – Tutorial, **P** – Practical, **MIL** – Modern Indian Language, **ENVS** - Environmental Studies

List of Core Course (CC / DSC)

- DSC 1A : हिन्दी साहित्य का इतिहास  
DSC 1B : मध्यकालीन हिन्दी कविता  
DSC 1 C : आधुनिक हिन्दी कविता  
DSC 1D : हिन्दी गद्य साहित्य

Discipline Specific Elective (DSE)

- DSE 1A : कबीर  
Or  
DSE 1A : हिन्दी निबंध  
DSE 1 B : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला  
Or  
DSE 1B : प्रयोजनपरक हिन्दी

Skill Enhancement Course (SEC)

- SEC 1 : भाषा शिक्षण  
SEC 2 : अनुवाद विज्ञान  
SEC 3 : भाषा कम्प्यूटिंग  
SEC 4 : चलचित्र लेखन

Generic Elective (GE)

(Interdisciplinary for the other Department)

- GE 1 : संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा  
GE 2 : सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC -Core)

- MIL (Hindi) 1: हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण  
MIL (Hindi) 2: हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC -Elective)

- MIL (Hindi) : हिन्दी सम्प्रेषण

## Core Course (CC)

**DSC-1AT: हिन्दी साहित्य का इतिहास**

**Credits - 06**

### **Course Contents:**

- काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।
- भक्ति आंदोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।
- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध तथा रीतिमुक्त कवि।
- 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी नवजागरण, भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।
- हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास – उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

### **❖ सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
8. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह

**DSC-1BT: मध्यकालीन हिन्दी कविता**

**Credits - 06**

### **Course Contents:**

- कबीर :
- पद :
  - (क) माया महा ठगिनी हम जानी ..... जाके हाथ विकानी ।
  - (ख) मेरा तेना मनआँ कैसे होई एकरे ..... तब ही वैसा होईरे ।
  - (ग) अरे इन दोउन राह न पाई ..... कौन राह द्वै जाई ।

(घ) साधो देखो जग बौराना ..... साधे इनमें कौन दिवाना ।

● साखी :

- (क) सतगुर सँवा न कोई सगा , सोधी सई न दाति ।  
(ख) जब मैं था तब हरी नहीं , अब हरी हैं मैं नाँहि ।  
(ग) हेरत हेरत हे सखि, रह्या कबीर हिराई ।  
(घ) चकवी बिछुरि रेणि की , आई मिली प्रभात ।  
(ङ) बिरहा बुरहा जिनि कहौ , बिरहा है सुलितान ।  
(च) मेरा मुझ में कुछ नहीं , जो कुछ है सो तेरा ।  
(छ) अषडियाँ झाई पड़ी , पथ निहार निहार ।  
(ज) सुखिया सब संसार है , खावै अरू ;  
( ) प्रेम न खेती नीपजै , प्रेम न हाट बिकाइ ।  
( ) , भ्रमि भ्रमि इवै पड़त ।

● :

- ( ) चरण कमल बंदी हरि राई ।  
( ) अँखियाँ हरि दरसन ब  
( )  
( ) ?  
( ) ऊधो मन नाहीं दस बीस ।  
( ) ! जहु तुम्हें हम जाने ।  
( ) सँदिसो देवकी सों कहियो ।  
( ) !

● : अयोध्याकाण्ड से ( )

- ( ) बरनि न जइ मनोहर जोरी । सोभा बहुत थोरि मति मोरी ।  
( ) हु को अहिं तुम्हारे ।  
( ) पारबती सम पतिप्रिय होइ । देबि न हम पर छाड़ब छोहू ।  
( ) फिरत नारि नर अति पछिताहीं । दैअहि दोषु देहिं मन माहीं ।  
( ) जौ ए कंद मूल फल खाहीं । बादि सुधादि असन जग माहीं ।

● :

- ( ) मैं बिरहिणि बैठी जागू जगत सब सोवै री आली ।  
( ) मैं गिरधर रंगराती सैयां मैं गिरधर रंगराती ।  
( )  
( ) नहीं ऐसा जनम बांरबार ।  
( )

- :  
 धूरि भरे अति सोभित स्यामजू तैसी बनी सिर सुंदर चोटी ।  
 काननि दै अंगुरि रहिबो जबहीं मुरली धुन मंद बजैहै ।  
 मोर पख सिर ऊपर राखिहौ गुंज की माल गरै पहिरौंगी ।  
 मानुष हो तो वहीं रसखान ।
- :  
 मेरी भव बाधा हरो राधा नागरि सोय ।  
 .....  
 .....  
 ..... , देखिनी मुरारि ।  
 .....  
 लिखत बैठी जाकी सबिहिं , गहि गहि गरब गरूर ।  
 .....  
 .....  
 बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय ।  
 ..... , हूँ की रीति ।
- :  
 .....  
 साजि चतुरंज वीर रंग मैं तुरंग चढ़ि ..... यों हलत है ।  
 इंद्र जिम जंभ पर बाडव सुअंभ पर ,  
 .....  
 .....
- :  
 .....  
 रावरे रूप की रीति अनुप , नयो नया लागत ज्यों ज्यों निहारियै ।  
 .....  
 ..... , छके दृग राजत कानिन छवै ।  
 ..... , हा नहूजियै मोहि अमोही ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. - रामचंद्र शुक्ल
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
4. गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
5. - विजेन्द्र स्नातक

6. सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
7. – ब्रजशेखर वर्मा
8. -काव्य- -
9. – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. मध्यकालीन हिन्दी काव्य- – रामस्वरूप चतुर्वेदी

## DSC-1CT: आधुनिक हिन्दी कविता

Credits - 06

### Course Contents:

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र : प्रभु निज अनगन सुभग असीसा / बं
- अयोध्यासिंह उपाध्यय 'हरिऔध': / जन्मभूमि / च
- लीशरण गुप्त :
- जयशंकर प्रसाद : पेशोला की प्रतिध्वनि / अरी वारुण की शांत कछार /
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : जागो ! / भिक्षुक / जुही की कली ।
- नागार्जुन : प्रेत का बयान / शासन की बंदूक
- सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : नदी के द्वीप / सोन मछली
- : / इतिहास और प्रति इतिहास

### ❖ सहायक ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद - नन्दुलारे वाजपेयी
2. जयशंकर प्रसाद - प्रेमशंकर
3. : आत्महंता आस्था -
4. निराला की काव्य छवियाँ – नन्दकिशोर नवल
5. -
6. त्रयी (प्रसाद, , ) - .जानकीबल्लभशास्त्री
7. प्रसाद- -अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा – रे
9. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि –द्वारिका प्रसाद सक्सेन
10. नागार्जुन की कविता – :

**Course Contents:**

- उपन्यास :
  - ( ) त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार
- :
  - ( ) - प्रेमचंद
  - ( ) - जयशंकर प्रसाद
  - ( ) -
  - ( ) - उषा प्रियंवदा
- :
  - ( ) लोभ और प्रीति - रामचंद्र शुक्ल
  - ( ) - हजारीप्रसाद द्विवेदी

❖ **सहायक ग्रंथ:**

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ रामचंद्र तिवारी
4. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा
5. : -
6. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
7. हिन्दी कहानी : अ - रामदरश मिश्र
8. : - विश्वनाथ त्रिपाठी
9. जैनेन्द्र के उपन्यास – परमानंद श्रीवास्तव

**Discipline Specific Elective (DSE)****Course Contents:**

- साखी :
  - ( ) ..
  - ( ) चौसठ दीवा जोड़ करि ..
  - ( ) ..

- ( ) सतगुर हम सुन रीझ करि..  
 ( ) कबीर बादल प्रेम का..।  
 ( ) ..  
 ( ) चकवी बिछुटी रैण की ..।  
 ( ) ..  
 ( ) ..  
 ( ) जब मई था तब हरि नहीं..  
 ( ) ..  
 ( ) ..  
 ( ) ..  
 ( ) हम घर जलया आफना ..  
 ( ) कबीर यह घर प्रेम का, र  
 ( )

● पद :

- ( ) दुलहनी गावहु मंगलचार..।  
 ( ) ..  
 ( ) सनतौ भाई आई ग्यान की आँधी..।  
 ( ) ..  
 ( ) हम न मरे मरिहै संसारा..  
 ( ) ..  
 ( ) काहे रे नलिनी तूँ कुम्हीलानी, ..  
 ( ) अवधू गगन मण्डल घर कीजै ..  
 ( ) हरि जननी मै बालक तेरा..  
 ( ) मैं गुलाम मोहि बेच गुसाई..।  
 ( ) अकथ कहानी प्रेम की, कुछ ..  
 ( ) ..  
 ( ) ..  
 ( ) ..  
 ( ) ..  
 ( ) ..

● सहायक ग्रंथ :

1. - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. - . विजेन्द्र स्नातक

3. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
4. अकथ कहानी प्रेम की -- पुरुषोत्तम अग्रवाल
5. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी

अथवा (OR)

DSE – 1AT: हिन्दी निबंध

Credits - 06

Course Contents:

- बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी -
- रामचंद्र शुक्ल - कविता क्या है।
- हजारीप्रसाद द्विवेदी -
- महादेवी वर्मा - जीने की कला
- ' ' - भारत की सांस्कृतिक
- हरिशंकर परसाई - पगडंडियों का जमाना
- विद्यानिवास मिश्र - अस्ति की पुकार हिमालय
- निर्मल वर्मा - : एक आत्म-3
- - एक महाकाव्य का जन्म

❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य का साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. निबंधों की दुनिया – विजयदे , प्र. . निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा
4. हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ रामचंद्र तिवारी
6. रामचंद्र शुक्ल -
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य – उषा शर्मा

**Course Contents:**

## ● कविताएँ

- ( ) ,  
 ( ) जुही की कली  
 ( ) : 2  
 ( ) - - 6  
 ( ) !  
 ( ) , !  
 ( ) तोड़ती पत्थर  
 ( ) बाहर मैं कर दिया गया हूँ  
 ( ) स्नेह-निर्झर बह गया है  
 ( )  
 ( )

## ❖ सहायक ग्रंथ :

1. : आत्महंता आस्था – द
2. निराला की काव्य छवियाँ – नन्दकिशोर नवल
3. - -
4. त्रयी (प्रसाद, , ) – .जानकीबल्लभशास्त्री
5. महाप्राण निराला : पुनर्मुल्यांकन – सम्पादक डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, डॉ. :
6. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा – रेख
7. क्रांतिकारी कवि निराला – बच्चन सिंह

अथवा (OR)

**Course Contents:**

- प्रयोजनपरक हिन्दी : ३ ध क्षेत्र
- प्रयोजनपरक हिन्दी के सर्जनात्मक आय
- माध्यम :  
 ( ) विविध संचार माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि ।

- ( ) श्रव्य माध्यम :
- ( ) श्रव्य-दृश्य माध्यम : टेलीविजन और फिल्म ।
- ( ) तकनीकी माध्यम :
- ( ) मिश्र माध्यम : विज्ञापन
- ( ) समाचार पत्र
- संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
- : उद्घोषणा, कार्यक्रम-सं (कंपेयरिंग) , फीचर, रिपोर्ट, रूप और प्रविधि
- : सामग्री- , संयोजन एवं प्रेषण
- :  
( ) अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप औ महत्व  
( ) अनुवाद के प्रकार

❖ सहायक ग्रंथ :

1. नए जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
2. पत्रकारिता से मीडिया तक : 1
3. जनसंचार के सामाजिक सन्दर्भ – जबरीमल्ल पारख
4. जनसंचार और मास कल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार - डॉ. राजेंद्र मिश्र

**Skill Enhancement Course (SEC)**

SEC – 1T : भाषा शिक्षण

Credits - 02

**Course Contents:**

- हिंदी भाषा एवं शब्द भंड - तत्सम, तद्भव, , कृत्रिम ।
- भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर – प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिंदीतर भाषियों, विभाषियों – विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में ।
- भाषा विज्ञान के मूलाधार – व्याव , मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, पर्यायवाची, समानार्थक, , अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म ।
- लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यक
- हिंदी भाषा का भविष्य ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का विकास – धीरेन्द्र वर्मा
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदय
3. हिन्दी भाषा और - - - - - सत्यनारायण त्रिपाठी
4. भाषा विज्ञान –
5. भाषा विज्ञान का रसायन – कैलाशनाथ पाण्डेय
6. हिन्दी व्याकरण – कमाताप्रसाद गुरु
7. हिन्दी शब्दानुशासन – कि
8. हिन्दी व्याकरण –एन. . . . .

SEC - 2T: अनुवाद विज्ञान

Credits - 02

**Course Contents:**

- अनुवाद का तात्पर्य , अनुवाद के प्रमुख प्रकार – कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक , वाणिज्यिक।
- अनुवाद के शिल्पगत ( ), / , , कम्प्यूट
- साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप – काव्यानु , ,
- अनुवादक की अर्हता और सफल अनुवाद के अभिलक्षण ।
- हिंदी अनुवाद का भविष्य ।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – डॉ र
2. - . . . विश्वनाथ अय्यर
3. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग - . . .
4. - - - - - किशोरीलाल व्यास
5. अनुवाद मूल्य और मूल्यांकन -
6. अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और समस्याएँ – सं.नगेन्द्र
7. : सिद्धान्त और समस्याएँ – रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव , कृष्णकुमार गोस्वामी
8. : सिद्धान्त और समस्याएँ- कैलाशचंद्र भाटिया
9. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव

**Course Contents:**

- कम्प्यूटर प्रबंधन - हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रमुख एप्लिकेशन पैकेज, , - , वेबसर्फिंग।
- मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली।
- कम्प्यूटर में डाटा प्रविष्टि, स्मृति ( ), सूचना संग्रहण।
- संचार भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।
- कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न अनुप्रयोग।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन
2. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा
3. कम्प्यूटर और हिन्दी – हरिमोहन
4. हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष
5. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतीकरण और भाषा-सिद्धांत – 1 . .शर्मा
6. : - . संजय द्विवेदी
7. सोशल नेटवर्किंग : - . संजय द्विवेदी
8. नए जमाने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ल
9. पत्रकारिता से मीडिया तक : मन
10. जनसंचार से सामाजिक सन्दर्भ – जबरीमल्ल पारख
11. जनसंचार और मास कल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी

**Course Contents:**

- 
- विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिंदी फिल्मों, लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद। प्रमुख निर्देशक एवं
- (सिनेरियों) का क्रमिक विकास, या प्रविधि।
- रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिंदी फिल्मों की भाषिक संरचना।
- दी की विश्व व्यापित में फिल्मों की भूमिका। हिंदी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर व्यावहारिक प्रशिक्षण।

❖ सहायक ग्रंथ :

1. : संभावनाएँ और चुनैतियों
2. फिल्म निर्देशन : कुलदीप सिन्हा
3. हिन्दी सिनेमा का इतिहास – मन
4. – ब्रजेश्वर मदान
5. भारतीय सिने सिद्धान्त – अ
6. : , , – विनोद भारद्वाज
7. हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रह्लाद अग्रवाल
8. – प्रताप सिंह

Generic Elective (GE)

GEC –1T: सम्पादन प्रक्रिया और साज – सज्जा

Credits - 06

**Course Contents:**

- : , उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, कला के सामान्य सिद्धांत।
- : योग्यता, दायित्व और महत्व।
- समाचार मूल्य, , शीर्षक-त प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।
- संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि। संपादकीय का सामाजिक प्रभाव।
- समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उनका संपादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आर्
- हिंदी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।
- -सज्जा : : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डर्म) पत्रिका की साज-सज्जा, -

❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का विकास – धीरेन्द्र वर्मा
2. सम्पादन प्रक्रिया – डॉ. ि
3. –
4. संपादन एवं मुद्रण -

5. , फीचर लेखन एवं सम्पादन कला – ड . हरिमोहन
6. हिन्दी पत्रकारिता का नया स्वरूप – बच्चन सिंह

**GEC – 2 T : सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र: Credits - 06 :**

**Course Contents:**

- रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि ।
- फीचर लेखन : - , सामग्री-निर्धारण, लेख -प्रविधि । सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक , विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से संबद्ध विषयों पर फीचर लेखन ।
- साक्षात्कार (इंटरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार -प्रविधि, महत्व ।
- स्तंभ : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, सा , पत्र और सावधि पत्रिकाओं , ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि )
- , फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा ।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता ।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. पत्रकारिता : न , नये प्रतिमान – र
2. पत्रकारिता में अनुवाद – जितेन्द्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकार
3. संवाद समिति की पत्रकारिता – क
4. मीडियाकालीन हिन्दी : स्वरूप आयर संभवनाएँ – डॉ अर्जुन चह्णण
5. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प – डॉ मनोहर प्रभाकर
6. वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नया रुझान - , शिवप्रसाद जोशी
7. भेंटवार्ता और प्रेस कॉन्फ्रेंस – प्रो नन्दकिशोर त्रिखा
8. खेल पत्रकारिता – :

## Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

### AECC (Core) – MIL

AECC (MIL)-1: हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

Credits - 06

#### Course Contents:

- हिन्दी व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं अव्यय का परिचय ।
- उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, पल्लव संक्षेपण ।
- सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व ।
- सम्प्रेषण के प्रकार ।
- सम्प्रेषण के माध्यम ।
- सम्प्रेषण की तकनीक ।
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध ।
- साक्षात्का, भाषण कला एवं रचनात्मक

#### ❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी व्याकरण – कमाताप्रसाद गुरु
2. हिन्दी शब्दानुशासन -
3. हिन्दी व्याकरण – एन. . . . .
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
5. बेसिक हिन्दी – बद्रीनाथ कपूर
6. हिन्दी मुहावरे – श्री ब्रह्मस्वरूप दिनकर शर्मा
7. हिन्दी भाषा एवं सम्प्रेषण – डॉ. नाना अग्रवाल
8. सम्प्रेषण : चिंतन और दक्षता –
9. सम्प्रेषण – परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप –
10. – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

**Course Contents:**

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप।
- हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय सं
- हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंज
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अंतस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण,
- णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दंतोष्ठ्य।
- 
- भाषा सम्प्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, र
- हिन्दी वाक्य रच , वाक्य और उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपांतर।
- भावार्थ और व्याख्या, , , विविध प्रकार के पत्र लेखन।

❖ **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी व्याकरण – कमाताप्रसाद गुरु
2. हिन्दी शब्दानुशासन – वि
3. हिन्दी व्याकरण – एन. . . . .
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
5. बेसिक हिन्दी – बद्रीनाथ कपूर
6. हिन्दी भाषा एवं सम्प्रेषण – डॉ. नाना अग्रवाल
7. भारतीय संस्कृति एवं प्रभावशाली सम्प्रेषण – डॉ. र
8. लोक प्रशासन प्रबंधन एवं प्रभावी सम्प्रेषण – डॉ. गिरिवर सिंह
9. हिन्दीमुहावरे-श्रीब्रह्मस्वरूपदिनकर शर्मा
10. भाषाविज्ञानऔरभाषाशास्त्र- . कपिलदेवद्विवेदी

## Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

### AECC (Elective) – MIL

MIL (HINDI): हिन्दी सम्प्रेषण

Credits - 06

#### Course Contents:

- : सम्प्रेषण का सिद्धांत, सम्प्रेषण के प्रकार
- सम्प्रेषण की भाषा :
- वाचिक क्षमता : र, , - , प्रभावी सम्प्रेषण, साक्षात्कार, -
- : अनुच्छेदन, -संक्षेपण, विश्लेषण एवं व्याख्या, ; ( हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी )
- : डाक्यूमेंटिंग, रिपोर्ट लेखन, नं , पत्र

#### ❖ सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा एवं सम्प्रेषण – डॉ. नाना अग्रवाल
2. सम्प्रेषण : चिंतन और दक्षता – : .
3. सम्प्रेषण - परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सु
4. - - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. भारतीय संस्कृति एवं प्रभावशाली सम्प्रेषण – डॉ. लं
6. लोक प्रशासन प्रबंधन एवं प्रभावी सम्प्रेषण – डॉ. गिरिवर सिंह